श्री गायत्री माता आरती

ॐ जयति जय गायत्री माता, जयति जय गायत्री माता,
आदि शक्ति तुम अलख निरंजन जग पालन कर्त्री ।
दु:ख, शोक, भय, क्लेश, कलह दारिद्रय दैन्य हर्त्री ।। ॐ जयति जय... ।।

ब्रह्म रुपिणी, प्रणत पालिनी, जगतधातृ अम्बे ।
भवभयहारी, जनहितकारी, सुखदा जगदम्बे ।। ॐ जयति जय... ।।

भयहारिणि भवतारिणि अनघे, अज आनन्द राशी ।
अविकारी, अघहरी, अविचलित, अमले अविनाशी ।। ॐ जयति जय... ।।

कामधेनु सत् चित् आनन्दा, जय गंगा गीता ।
सविता की शाश्वती शक्ति तुम सावित्री सीता ।। ॐ जयति जय... ।।

ऋग, यजु, साम, अथर्व, प्रणयिनी, प्रणव महामहिमे ।
कुण्डलिनी सहस्त्रर सुषुम्ना, शोभा गुण गरिमे ।। ॐ जयति जय... ।।

स्वाहा, स्वधा, शची, ब्रह्माणी, राधा, रुद्राणी ।
जय सतरुपा, वाणी, विद्या, कमला, कल्याणी ।। ॐ जयति जय... ।।

जननी हम है, दीन हीन, दु:ख दरिद के घेरे ।
यद्यपि कुटिल, कपटी कपूत, तऊ बालक है तेरे ।। ॐ जयति जय... ।।

स्नेहसनी करुणामयि माता, चरण शरण दीजै ।
बिलख रहे हम शिशु सुत तेरे, दया दृष्टि कीजै ।। ॐ जयति जय... ।।

काम, क्रोध, मद, लोभ, दम्भ, दुर्भाव, द्वेष हरिये ।
शुद्ध बुद्धि, निष्पाप हृदय, मन को पवित्र करिये ।। ॐ जयति जय... ।।

तुम समर्थ सब भाँति तारिणी, तुष्टि, पुष्टि त्राता ।
सत् मार्ग पर हमें चलाओ, जो है सुखदाता ।। ॐ जयति जय... ।।

जयति जय गायत्री माता, जयति जय गायत्री माता
सत् मारग पर हमें चलाओ, जो है सुखदाता ।। ॐ जयति जय... ।।